E- Learning Study Material

By Prof (Dr) YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE, ARA
VKS UNIVERSITY, ARA, BIHAR

BA Part Third Economics Hons
Paper- VIth.

Explanation of New Deal Policy in USA :-

रूजवेल्ट (Roosevelt) की न्यूडील नीति को चार वर्गों में विभक्त किया जा सकता है -

(a) प्रथम वर्ग की नीतियाँ :- औद्योगिक नीति - रूजवेल्ट का यह विचार था कि औद्योगिक मन्दी इस कारण से हुई है कि उद्योगपतियों को पर्याप्त लाभ नहीं हो रहा है वे हानि उठा रहे हैं। लाभ इसलिए नहीं हो रहा है कि वस्तुओं का मूल्य बहुत ही घट गया है और वस्तुओं का मूल्य इसलिए घट गया है क्योंकि अत्यन्त ही अधिक प्रतियोगिता हो गयी है। लाभ में वृद्धि के लिए सरकार ने अधिक निवेश करने की चेष्टा की और निवेश के लिए उत्प्रेरणा देने के लिए व्यवस्था की। रूजवेल्ट ने इस क्षेत्र में पाँच उपाय किया-

(1) राष्ट्रपति को विधायिका द्वारा 33000 डालर लोक कार्य पर व्यय करने के लिए प्राधिकृत

किया गया। लोक कार्य पर व्यय द्वारा अधिक रोजगार और फलतः वस्तुओं के लिए अधिक माँग का सृजन किया जा सकता था। वस्तुतः यह नीति लार्ड किन्स की नीति से प्रभावित थी।

(2) सरकार ने प्रत्येक उद्योगपति को एक औद्योगिक संहिता बनाने के लिए अनुदेश दिया जो उत्तम एवं उचित प्रतियोगिता की व्यवस्था कर वस्तुओं के मूल्यों को ऊँचा रख सकती थी।

(3) श्रमिक संघों द्वारा सामूहिक मोल भाव करने के लिए विधायिका ने कुछ विधियाँ निर्मित की रूजवेल्ट का मत था कि पुनरुत्थान के लिए आवश्यक है कि जनता अधिक से अधिक वस्तुओं का क्रय करे तथा यह तभी संभव है जब जनता की आय अधिक हो। इसके लिए वेतन - मजदूरी भी अधिक होनी चाहिए।

(4) राष्ट्रपति को न्यूनतम मजदूरी, कार्य करने के अधिकतम घंटे एवं सेवा की अन्य शर्तों को निर्धारित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है। ये समस्त उपाय राष्ट्रीय औद्योगिक पुनरुत्थान अधिनियम (National Industrial Recovery Act) में सम्मिलित किये गये थे जिसे सन 1933 में पारित किया गया था। जिसे संक्षेप में NIRA कहा जाता है। इसके कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय औद्योगिक पुनरुत्थान प्रशासन विभाग की स्थापना की गयी।

(5) उस काल में कुछ समय के लिए डेमोक्रेटिक दल की परम्परागत प्रन्यास विरोधी नीति का प्रयोग कर दिया गया था। NIRA सन 1933 से 1935 तक लागू होता रहा। किन्तु 1935 में सर्वोच्च न्यायालय ने इसे असंवैधानिक घोषित कर दिया फलतः यह समाप्त कर दिया गया।

(b) द्वितीय वर्ग के उपाय :- कृषि नीति – सन् 1929 से ही कृषि पुनरुत्थान के लिए प्रयास किये जा रहे थे। 1929 में राष्ट्रपति हूवर (Hoover) कृषि की बुराइयों को दूर करने के लिए संघीय प्रक्षेत्र राहत मंडल (Federal Farm Relief Board) नामक एक सरकारी विभाग की स्थापना की थी। जो कृषि वस्तुओं को खरीद कर उन्हें बाजार में बेचने के बदले उन्हें इकट्ठा कर सुरक्षित रखता था। किन्तु यह नीति सफल नहीं हो सकी और कृषि वस्तुओं के मूल्य गिरते ही गये गिरते ही गये।

राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने फसल प्रतिबन्ध की नीति अपनायी। एक पृथक अधिनियम सन 1933 में निर्मित किया गया जिसे कृषि समायोजन अधिनियम कहा गया।